

कांग्रेस सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह पहुंचे रामनगरी, प्राण प्रतिष्ठा में लिया भाग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुई। प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को कांग्रेस द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था। इसके बीच कांग्रेस पार्टी के नेता और हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह अयोध्या नगरी पहुंचे। उन्होंने राम मंदिर के भव्य समारोह में भाग लिया। वह हिमाचल सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री हैं।

बताते चले कि इससे पहले हिमाचल प्रदेश अपने राज्य कर्मचारियों के लिए आधे दिने के अवकाश की घोषणा करने वाला एकमात्र कांग्रेस शासित राज्य बन गया था। कांग्रेस ने 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह को बीजेपी और आरएसएस का कार्यक्रम बताया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया



गांधी और अधीर रंजन चौधरी ने अयोध्या में कार्यक्रम का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था।

कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया था कि 'भगवान राम हमारे देश में लाखों लोगों द्वारा पूजे जाते हैं। धर्म एक व्यक्तिगत मामला है। लेकिन, आरएसएस और बीजेपी ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर का राजनीतिकरण

किया है। बीजेपी और आरएसएस के नेताओं द्वारा अशुभ मंदिर का उद्घाटन किया गया है। यह स्पष्ट रूप से चुनौती लाभ के लिए किया गया है। 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए और भगवान राम का सम्मान करने वाले लाखों लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए कांग्रेस के नेताओं ने निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है।'

मौसम में थोड़े सुधार के साथ ही खुले स्कूल, मंगलवार से बदले हुए समय के साथ चलेंगी कक्षाएं

लखनऊ, प्राथमिक स्कूलों में ठंड की वजह से चली आ रही छुट्टियां खत्म हो गयी हैं। मंगलवार से स्कूल बदले हुए समय से खुलेंगे। सोमवार को मौसम बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहा। इसी के साथ प्राथमिक कक्षाओं में चल रही छुट्टियां खत्म हो गईं। हालांकि स्कूल का टाइमिंग बदला हुआ रहेगा। डीएम सुवर्णपाल गंगवार ने सोमवार से स्कूल खोलने का आदेश जारी कर दिया। प्राथमिक से लेकर 12वीं तक के सभी सरकारी, गैर सरकारी व निजी स्कूल समय में बदलाव के साथ खोलने की अनुमति दी है। स्कूलों का समय सुबह 10 से दोपहर तीन बजे कर दिया है। यह भी कहा गया कि जिन स्कूलों में संभव हो, ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जा सकती हैं। कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान ठंड से बचाव के इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

भगवान राम की विशाल शोभायात्रा निकाली, जय श्री राम के लगे नारें



अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। अयोध्या में भगवान राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर मोहनलालगंज नगर पंचायत के मऊ गांव में शिवाय सेवा समिति ने ग्रामीणों के सहयोग से भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकाली।

मऊ गांव के बंशी बाबा मंदिर प्राण में भगवान राम की झांकी की आरती करने के बाद शोभायात्रा पूरे गांव की गलियों में घूमती होती मोहनलालगंज कस्बा पहुंची जगह जगह पुष्पवर्षा का झांकियों की लोगों ने आरती उतारी शोभायात्रा के दौरान

डीजे पर भगवान राम के भक्ति गीतो पर समिति के सदस्य झूमने लगे शोभायात्रा में सुरक्षा की दृष्टि से प्रभारी निरीक्षक आलोक राव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे इस मौके पर शिवाय सेवा समिति के आशीष चतुर्वेदी, राहुल मिश्रा, रंजीत यादव, पंशुल तिवारी, भाजपा जिला मीडिया संयोजक अशोक तिवारी, समाजसेवी अरुणेश प्रताप सिंह, पूर्व प्रधान प्रदीप गुप्ता, सभासद हिमांशु तिवारी, बराती मिश्रा, आशीष द्विवेदी, लल्लन तिवारी, मनीष तिवारी, मानस गुप्ता, प समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मोहनलालगंज में जगह-जगह सुंदरकांड पाठ व भंडारो का आयोजन

अमन लेखनी समाचार



पर मंदिर में हजारों की संख्या में मौजूद रामभक्तों द्वारा लगाये गये जय श्री राम के नारो से समूचा कस्बा गुंज उठा। कार्यक्रम का आयोजन कालेवीर बाबा मंदिर सेवादार समिति के अध्यक्ष हरी गोविंद मिश्रा व बाला जी सेवा समिति के अध्यक्ष अखिलेश द्विवेदी सुंदरकांड पाठ व एक हजार मिट्टी के दीपो का प्रज्वलन कर भंडारे में तहरी व बूंदी के प्रसाद का वितरण किया गया। शेर शराम मंदिर परिसर में कई घंटों तक अतिशबाजी भी की गयी इस मौके

पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन करने के साथ ही अयोध्या मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एलसीडी पर लोगों को लाइव दिखाया व्यापारी मानस गुप्ता ने सुंदरकांड पाठ समेत प्रसाद वितरण कर अतिशबाजी छुड़ाई। गोसाइगंज नगर पंचायत में चैयरमैन निखिल मिश्रा ने सुंदरकांड पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया। परेहटा गांव में शिव मंदिर व राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन उमा शंकर

मंदिर परिसर में हेलिकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा...

संगीत वाद्ययंत्रों से बजती रही रामधुन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अयोध्यानगरी में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम जारी है। इस अवसर पर सेना के हेलीकॉप्टर ने मंदिर परिसर में पुष्प वर्षा की। इसका वीडियो भी सामने आया है। हेलीकॉप्टर ने मंदिर परिसर के ऊपर कई राउंड घूमा। उस दौरान उससे पुष्प वर्षा होती रही। प्राण प्रतिष्ठा में राम जन्मभूमि मंदिर में 30 कलाकार भारतीय संगीत वाद्ययंत्र बजा रहे हैं। सभी महामनों के हाथों में घंटियां हैं। जिन्हें वह आरती के दौरान बजाएंगे। पूरा परिसर रामधुन में रमा हुआ है। बताया गया कि सभी संगीतकार एक सुर में अपने वाद्ययंत्र बजाते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंच गए हैं। वह मंदिर में अनुष्ठान कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक

समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। समारोह में विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों सहित सभी क्षेत्रों के लोग भी शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इस विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोपहर में अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। सामान्यतः प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सात अधिवास होते हैं। वहीं कम से कम तीन अधिवास प्रचलन में होते हैं। अनुष्ठान का संचालन 121 आचार्य कर रहे हैं। गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ देखरेख करेंगे। अनुष्ठान और प्राण प्रतिष्ठा की सभी कार्यवाही का समन्वय और निर्देशन प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हो रही है।

सेना देगी अग्निवीर बनने के युवाओं को अधिक मौके, जल्द शुरू होंगे आवेदन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। युवाओं को अग्निवीर भर्ती में और अधिक मौका मिलेगा। सेना वर्ष 2024-25 की अग्निवीरों की भर्ती के लिए वित्तीय वर्ष आरंभ होने से दो महीने पहले ही फरवरी माह में युवाओं के आनलाइन पंजीकरण शुरू करेगी। सेना की वेबसाइट पर अभ्यर्थी अपना पंजीकरण करा सकेंगे। पंजीकरण के बाद लखनऊ सहित देश भर में कामन प्रवेश परीक्षा (सीईई) परीक्षाएं होंगी।

सफल होने पर आएगा बुलावा

परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को सेना भर्ती रैली के लिए बुलाया जाएगा। सेना में अग्निवीर जौडी, अग्निवीर तकनीकी, ट्रेड्समैन, और एसकेटी के पदों के लिए भर्ती रैली में पिछले साल ही परिवर्तन किया गया है। पहले सेना भर्ती रैली को प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती थी। भर्ती रैली में सफल होने वाले



अभ्यर्थी ही शारीरिक दक्षता और मेडिकल के बाद सीईई में शामिल होते थे। अब सेना ने योग्य युवाओं को अधिक मौका देने के लिए अग्निवीर की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव किया है। पिछले साल ही अग्निवीरों की भर्ती के लिए नई व्यवस्था को लागू किया गया है।

सेना की वेबसाइट पर करना होगा आवेदन

अब सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.ni.c.in पर पहले आनलाइन आवेदन करना होता है। आवेदन करने वाले

प्राण प्रतिष्ठा स्वावलंबन व संस्कारों का संगम : डॉ. पुष्पेन्द्र पासी

झाड़ेश्वर मंदिर में हवन-पूजन कर शुरू किया अनुष्ठान

अमन लेखनी समाचार

बंधरा। वरिष्ठ भाजपा नेता डा. पुष्पेन्द्र पासी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रभु राम के प्राण प्रतिष्ठा के बहाने जातीय समरसता, उत्तर-दक्षिण का भेद पाटने और विरासत आधारित विकास की संभावनाओं का संदेश दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वावलंबन, स्वाभिमान, स्वरोजगार के साथ संस्कारयुक्त रहते हुए आध्यात्मिक चेतना के विकास से जुड़कर सांस्कृतिक विरासत में छिपी समृद्धि की संभावनाओं पर काम करने की ललक जगाने का प्रयास किया गया है। डा0 पासी द्वारा सोमवार को सरोजनीनगर के हरीनौ स्थित झाड़ेश्वर महादेव परिसर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधा प्रसारण एवं



अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को सम्बोधित किया गया। इस प्राण प्रतिष्ठ के कार्यक्रम के दौरान डा0 मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी तक ने आदर्श शासन के लिए रामराज्य पर बल दिया था। यही नहीं महर्षि वाल्मीकि व तुलसीदास भी राम समृद्धि को सिर्फ आर्थिक संपन्नता तक सीमित नहीं मानते। उनका मानना था कि समाज के संस्कार, एक-दूसरे के सरोकारों को सम्मान देने के संकल्प, परस्पर प्रीति व रीति, अनुराग, स्नेह,

सत्ता यानी पद-प्रतिष्ठा पाने की जतन की जगह त्याग की भावना का संकल्प देखते हैं। इस मौके पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार पासी बब्तू, पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश रावत, पूर्व जिला रामराज्य पर बल दिया था। यही नहीं अध्यक्ष मुकेश शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य ठाकुर नेहा सिंह, प्रधान गण विपिन रावत पीनू रीतेश सिंह, सुभाष पासी, इत्यादि सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता व आम जनसमूह उपस्थित रहा।

जबरौली में गरीब व असहायों को ठंड से बचाने को बांटे कम्बल



अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर सोमवार को मोहनलालगंज के जबरौली गांव में गरीब व असहायों लोगों को ठंड से बचाने के लिये कम्बल वितरित किये गये मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला व विशिष्ट अतिथि भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अशोक तिवारी व भाजयुमो जिलाध्यक्ष धीरू पांडे ने आयोजक अमित तिवारी के साथ क्षेत्र के सैकड़ों गरीब व असहाय बुजुर्गों व महिलाओं को कम्बल वितरित किये ब्लाक

प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि हर किसी को आगे आकर गरीबों की मदद करने चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कोई गरीब भूखा ना रहे। सड़ें से बचाव के लिए भी गरीबों की मदद करनी चाहिए। आयोजक अमित तिवारी महाराज ने अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार मुकेश द्विवेदी, अनुपम मिश्रा, भाजपा सभासद हिमांशु तिवारी, हिमांशु सिंह, श्यामू सिंह, दुर्गेश शर्माण, अरूण साहू, दुर्गेश सिंह, श्यामू दीक्षित, दिलीप तिवारी, हरी ओम समेत काफी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सिर पर चोट लगने से हुई डाला चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार



रविवार रात करीब नौ बजे नशे की हालत में घर पहुंचा और पत्नी नीलम से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। बताया जाता है कि गुस्से में आकर सरोज करमर के अंदर दीवार से अपना सिर जोर-जोर लड़ाने लगा। जिससे सिर में काफी गंभीर चोट लग

गई और उसके नाक व सिर से खून बहने लगा। जिससे वह बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। नीलम के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गये। इसी दौरान पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे बेहोशी की हालत में सरोजनीनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां चिकित्सकों ने सरोज को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी नीलम के अलावा दो बच्चे पुत्र अंकुश (10) और पुत्री आकांक्षा (4) है। इस संबंध में सरोजनीनगर के प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र गिरी का कहना है कि सरोज शराब का आदी था। नशे की हालत में जमीन पर गिरने से हेड इंजरी होने से उसकी मौत हुई है। मृतक को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

चोरी के एथनाल के साथ युवक को पुलिस ने भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस ने मुखबि की निशानदेही पर एक युवक को चोरी के एथनाल के साथ दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गये युवक के कब्जे से 12 सी लीटर एथनाल भी बरामद करने का दावा किया है। पुलिस द्वारा आरोपित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया। सरोजनीनगर थाने में तैनात उपनिरीक्षक रामसरन मौर्य के मुताबिक रविवार की दोपहर करीब दो बजे वह थाना क्षेत्र के अमौसी बाजार में मौजूद थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने उन्हें पास में ही मौजूद एक कबाड़ी की दुकान के पीछे एक व्यक्ति द्वारा सदिग्ध पदार्थ इधर-उधर किये जाने सूचना दी। बुखबि की सूचना के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस को

देखकर एक युवक भागने लगा। जिससे पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गये युवक ने अपने को उन्नाव जिले के हसनगंज थाना क्षेत्र के मूसपुर व हालपता पतौरा मोड़ थाना काकोरी बताया। पुलिस पृष्ठतंत्र में पकड़े गये युवक ने टैंकर चालको से चोरी का एथनाल खरीदकर डिब्बों में भरकर रखने की बात बताई है। जिसे बेचने के लिए वह ग्राहक ढूँढ रहा था। पुलिस ने बताया कि युवक के कमरे की अलाशी के दौरान उसे एथनाल से भरे हुए 24 डिब्बे बरामद हुए। जिनमें 50-50 लीटर एथनाल भरा हुआ है। पुलिस ने 12 सी लीटर एथनाल बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने पकड़े गये युवक के खिलाफ आबकारी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

श्री कृष्णा विहार में राम कथा का आयोजन

समापन के दौरान पहुंचे सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह

हजारों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

अमन लेखनी समाचार



लखनऊ। अयोध्या धाम में सोमवार को 500 वर्षों के इंतजार के बाद प्रभु राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस उपलक्ष्य में रायबरेली रोड स्थित श्री कृष्णा विहार कॉलोनी में 9 दिवसीय राम कथा का आयोजन किया गया था जिसका सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के बाद समापन कर दिया गया। इस मौके पर सरोजनीनगर विधानसभा के विधायक राजेश्वर सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि राम के आने का मतलब है, धर्म क्षेत्र में धर्म पारजित कभी नहीं होता है। राम के आने का मतलब है, भरतभूमि पर नई हवाएं चलने वाली हैं। राम के आने

का मतलब है, विश्व मंच पर भारत की छवि बदलने वाली है। कॉलोनी वासियों ने समापन के मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें लगभग 5 हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में

सोसायटी के अध्यक्ष मान सिंह यादव, सचिव एस एन शर्मा, आलोक सिंह, के के तिवारी, नागेश्वर द्विवेदी, राकेश सिंह, विनोद त्रिवेदी, भोलानाथ, विनोद पांडेय, मनोज झा, परितोष ओझा ने अहम भूमिका निभाई।

चिंतन

वेड इन इंडिया से मजबूत होगा आर्थिक राष्ट्रवाद

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ ही पीएम नरेंद्र मोदी आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को भी मजबूत करने के लिए आवागम को प्रेरित करते रहते हैं। पीएम ने वोल्कल फॉर लोकल के बाद अब वेड इन इंडिया का आह्वान किया है। दरअसल समृद्ध भारतीय विदेश में जाकर वेडिंग सेरेमनी करते हैं। एक अनुमानित आंकड़े के मुताबिक भारतीय प्रति वर्ष करीब पांच हजार से अधिक शादियां विदेश में जाकर कर रहे हैं। इन पर करीब एक लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। विदेश में होने वाली शादियां अगर भारत में ही शिफ्ट हो जाए तो ये पैसे भारत में ही खर्च होंगे, जिससे देश का पैसा बाहर जाने से बच जाएगा और अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। विदेशियों में भारत आकर वेडिंग करने का ट्रेंड नहीं है, वे अपने मुल्क के प्रति सचेत होते हैं। दरअसल, भारतीयों में विदेशी वस्तुओं व जगहों को लेकर अजीब आकर्षण है, कुछेक समृद्ध लोगों में स्वदेशी वस्तुओं, जगहों और भाषाओं के प्रति उच्चमूल्य भाव है, वे विदेश में विदेशी वस्तुओं पर खर्च कर अपने अहं को तुष्ट करते हैं। एक अनुमान के मुताबिक विदेशी सामान, विदेशी विक्रताओं से खरीदने के चलते करीब 11 लाख करोड़ रुपये विदेशी कंपनियों भारत से मुनाफा के रूप में ले जाते हैं। भारतीयों में अगर स्थानीय, वेड इन इंडिया उत्पादों के प्रति भावना जाग जाए, तो विदेशी कंपनियों को जाने वाले मुनाफे देश में ही रह सकते हैं। भारतीय अपनी खरीदारी की आदत बदल कर हर वर्ष सात से आठ लाख करोड़ रुपये विदेश जाने से बचा सकते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी इसीलए वोल्कल फॉर लोकल पर जोर देते हैं। हाल ही में पीएम ने लक्ष्मीपुर के समुद्र तट की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा किया तो, मालदीव परेशान हो गया। पीएम ने रामेश्वरम स्थित रामचेलु के पास की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है। पीएम की कोशिश है कि लोग देश के अंदर ही खूबसूरत जगह पर घूमने जाएं। भारतीय हर वर्ष मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैंड, यूरोप, अमेरिका आदि देशों के टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर घूमने पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं। अगर लोग देश के अंदर मौजूद टूरिस्ट जगहों पर भी जाएं, तो स्वदेशी पर्यटन को मजबूती मिलेगा। इन सबका फायदा अर्थव्यवस्था को होगा। भारत में हर वर्ष करीब 800 से 1000 फिलमों बनती हैं, निनकी शूटिंग्स पर करोड़ों खर्च होते हैं। इनमें से बहुत सारे शूटिंग्स विदेशी लोकेशन पर होते हैं। अगर हमारे फिल्म निर्माता भारत के खूबसूरत लोकेशन पर फिल्में की शूटिंग्स करें, तो भारतीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और देश में पैसे खर्च होने से परेले अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बहुत से ऐसे छोटे-छोटे कदम हैं, जिनसे देश की तरक्की को पंख लग सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवम्बर को अपने मन की बात कार्यक्रम में भी विदेशों में की जाने वाली डेस्टिनेशन शादियों पर चिंता जताई थी और लोगों से भारत में ही शादी करने की अपील की थी। कन्वेइन्शन ऑफ अल इंडिया ट्रेडर्स का मानना है कि देश में ही डेस्टिनेशन शादियां हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था में एक संभावित बदलाव लाने की पहल हो सकती है। भारत में खूबसूरत जगहों की भरमार है, जो से अधिक शहरों में करीब दो हजार से अधिक स्थान हैं, जहां डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजित किए जा सकते हैं। कैप्टेन व्यापारियों और नागरिक समाज के बीच भारत के डेस्टिनेशन वेडिंग को प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान भी शुरू किया है। वेड इन इंडिया से आर्थिक राष्ट्रवाद मजबूत होगा।



नरेंद्र सिंह तोमर

राम हमारी आस्था के सर्वोच्च शिखर हैं, आराध्य हैं। हमारी जीवनशैली, सामाजिकता, संस्कृति, शासन व्यवस्था में ही नहीं हर भारतीय की रग-रग में भगवान राम समाए हुए हैं। भारतीय संविधान की मूल प्रति में भगवान श्री राम का चित्र अंकित है। संविधान में जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों का जिक्र है, वहां श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के रावण वध के बाद लंका से अयोध्या लौटने का चित्र है। यही चित्र हमारे संविधान में राम राज्य की भावना को उद्भूत करता है। राम राज्य की कल्पना के साकार होने के इस ऐतिहासिक क्षण के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, यह हमारे लिए गौरव की बात है। साथ ही हम सभी के लिए एक ईश्वर प्रदत्त सौगात भी है।

आस्था का उत्कर्ष है राम मंदिर

त्रेता युग से लेकर अब तक सतत रूप से उत्कृष्ट एवं आदर्श शासन प्रणाली के लिए भारत में 'राम राज्य' की संकल्पना सबसे उपयुक्त एवं व्यावहारिक रही है। वही राम राज्य जिसका स्वन स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए चल रहे संघर्ष काल में हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी देखा था, किंतु अतीत में देखें तो पाते हैं कि स्वतंत्रता के पश्चात सात दशक तक दुर्भाग्य से राम राज्य की स्थापना को लेकर कोई भी प्रयास नहीं किया गया। लोक कल्याण और सुशासन जैसे शब्द सिर्फ शब्दकोष की शोभा बढ़ाते रहे, व्यवहार में उन्हें लाने में सरकारों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। अब समय बदला है और सोच भी। विगत एक दशक भारत की पुनर्स्थापना के समय रहा है, वस्तुतः स्वतंत्रता के बाद यही वह समय है जब हम राम राज्य की अवधारणा को जमीन पर उतारने जा रहे हैं। अयोध्या में निर्मित प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर राम राज्य की अवधारणा के मूर्त होने का क्षण है। यह हमारी आस्था का उत्कर्ष तो है ही इसके साथ-साथ हमारी शासन व्यवस्था में भी सर्वोच्च होने का प्रतीक है। प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर उनका भव्य मंदिर बने इसके लिए पांच सौ से अधिक वर्षों का लंबा संघर्ष काल बीता है। हजारों कार सेवकों, साधु-संतों, सनातनियों ने अपना बलिदान दिया है। यह हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है कि हम भव्य राम मंदिर के स्वन को अपनी आंखों से साकार होते देख रहे हैं।

छह दिसंबर 1992 को बाबरी दांचा गिराए जाने के पहले और बाद की भी लंबी संघर्ष की कहानी है। यद्यपि नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद यह विवाद स्वतः समाप्त हो चुका है कि भगवान श्री राम का जन्म अयोध्या में उसी स्थान पर हुआ था जहां राम मंदिर था और बाद में उसे तोड़कर बाबरी दांचा बना दिया गया, किंतु प्रासंगिकता को देखते हुए इसके ऐतिहासिक और पौराणिक साक्ष्यों पर एक दृष्टिनिर्गत आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर को लेकर दिए अपने 1045 पन्ने के ऐतिहासिक फैसले में कई किताबों और दस्तावेजों का जिक्र किया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में वृहत धर्मोत्तर पुराण का जिक्र है, जिसके अनुसार अयोध्या सात पवित्र नगरियों में से एक है, इसके अनुसार-अयोध्या, मथुरा, माया, काशी, कांची, अर्वाचिका। पुरी, द्वारवती चैव सप्तैता मोक्षदायिका। इसी तरह वाल्मीकि रामायण से लेकर स्कंद पुराण तक में अयोध्या नगरी और श्री राम के वहां जन्म होने का वर्णन है। यहां तक कि अकबर के शासन काल के दौरान अबुल फजल द्वारा लिखी गई आईने अकबरी में भी अवध का वर्णन करते हुए लिखा गया है कि इस पवित्र नगरी में

त्रेता युग में राजा रामचंद्र रहते थे। अत्युत दुःख विषय यह है कि यहां राजनीतिक कु-इच्छाओं और तुष्टिवाद के चलते राम जन्म भूमि पर भगवान राम के मंदिर की राह में कई वर्षों तक रोड़े अटकाए गए। 1853 में नवाब वाजिद अली शाह के शासन से रामलला की जन्मभूमि पर पूजा को रोकने का शुरु हुआ सिलसिला कई दशकों तक चला है। अंग्रेजों ने अपनी फूट डालो और राज करो नीति के तहत राम मंदिर विवाद को सबसे ज्यादा गहराया और मंदिर के भीतर रामलला की पूजा नहीं होने दी।

1950 में राम जन्मभूमि को लेकर शुरु हुई कानूनी लड़ाई 70 के दशक तक चली है। राम जन्म भूमि आंदोलन में भारतभूमि के महान संतों, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद और लाखों कार सेवकों का संघर्ष और तप आज स्मरणीय है। इस आंदोलन की धुरी बने संत परमहंस रामचंद्र दास, विश्व हिंदू परिषद के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अशोक सिंघल एवं अन्य महापुरुषों का योगदान भी आज याद किया जाना चाहिए।

25 सितंबर 1990 को गुजरात के सोमनाथ से लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में शुरु हुई रथ यात्रा और राम जन्मभूमि आंदोलन राम लला के मंदिर निर्माण के युद्ध का एक शंखनाद था जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भव्य राम मंदिर में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में पूर्ण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण भाजपा की हमेशा से ही प्राथमिकताओं में शामिल रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ संकल्पशक्ति एवं नेतृत्व क्षमता की भी परिणाम है कि सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद संपूर्ण देश एक मन-एक मत से प्रभु श्री राम मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। मोदी ने अपने अटल संकल्प और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है कि जो उन्होंने कहा था वह पूरा करके दिखाया है और इसके साथ ही देश के करोड़ों

लोगों की आस्था का प्रतीक और चिरप्रतीक्षित राम मंदिर का निर्माण पूरा हुआ है। राम हमारी आस्था के सर्वोच्च शिखर हैं, आराध्य हैं। हमारी जीवनशैली, सामाजिकता, संस्कृति, शासन व्यवस्था में ही नहीं हर भारतीय की रग-रग में भगवान राम समाए हुए हैं। भारतीय संविधान की मूल प्रति में भगवान श्री राम का चित्र अंकित है। संविधान में जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों का जिक्र है, वहां श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के रावण वध के बाद लंका से अयोध्या लौटने का चित्र है। यही चित्र हमारे संविधान में राम राज्य की भावना को उद्भूत करता है।

अयोध्या तो इस समय वैश्विक पटल पर छाया ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' ध्येय वाक्य पर चलते हुए वाराणसी में 'काशी कॉरिडोर' उज्जैन में 'महाकाल पथ', पवित्र चारधाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री को हर मौसम में निर्बाध सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 900 किलोमीटर लंबी चारधाम सड़क परियोजना, सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण परियोजना, धार्मिक स्थलों के लिए बेहतर रेल एवं हवाई मार्ग की कनेक्टिविटी जैसे कई कार्यों ने एक नया परिदृश्य निर्मित किया है।

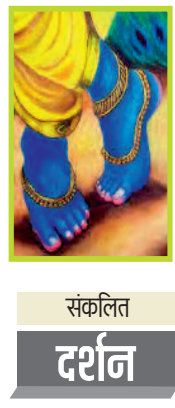
अयोध्या के राजा के रूप में प्रभु श्री राम ने जिस आदर्श शासन व्यवस्था की नींव रखी थी, सदियों से हम उसे 'राम राज्य' के रूप में आत्मसात कर अनुकरण कर रहे हैं। राम मंदिर का निर्माण पूरा करके और भगवान राम को वहां विराजमान करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल राम मंदिर के स्वन को साकार करने का भगोरथी कार्य किया है, अपितु समदर्शी, सर्वस्पर्शी, लोककल्याणकारी शासन शैली के माध्यम से राम राज्य की पुनर्स्थापना का भी कार्य किया है। यह संयोग ही है कि स्वतंत्रता के अमृतकाल में हमें नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में एक ऐसा सशक्त, संकल्पवान और संवेदनशील रूप मिल रहा है, जिन्होंने एक दशक में राष्ट्र पुनरुत्थान के कई नए आयाम स्थापित किए हैं जो उल्लेखनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी हैं। राम राज्य की कल्पना के साकार होने के इस ऐतिहासिक क्षण के हम सभी साक्षी बन रहे हैं, यह हमारे लिए गौरव और सौभाग्य की बात तो है ही साथ ही यह हम सभी के लिए एक ईश्वर प्रदत्त सौगात भी है।



आस्था सुरेश जैन

भगवान के चरणों में अर्पित करना ही ज्ञान

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा दिया था, वहीं चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भंज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहाँ और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुक्त व्यक्ति की तात्त्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुक्त हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षडसंपत्ति (शाम, दम, उपरति, तीक्ष्ण, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षडसंपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे।



राम मंदिर

अयोध्या में रविवार को राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर जारी अक्षर का दृष्य।

आज की पाती

अयोध्या जरूर जाएंगे

भगवान श्री राम का नाम लेते ही भासिक शांति मिलती है। वह सनातन धर्म या भारत के लिए ही आदर्श नहीं हैं, बल्कि सारी दुनिया के लिए हैं। उनकी जन्मभूमि अयोध्या में लगभग 500 वर्ष बाद उनका जो भव्य मंदिर बन रहा है और वहां 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है, उसकी खुशी जाहिर करने के लिए जो तैयारियां चल रही हैं उन्हें देखकर लग रहा है कि दीपावली का त्योहार आने वाला है। हमारे देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे देशों में रह रहे राम भक्त भी खुशी जाहिर कर रहे हैं। 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा, तब हमें अयोध्या जाने की बजाय अपने-अपने घर पर ही इसकी खुशी मनानी चाहिए। - सतीश उपाध्याय, विलासपुर

करंट अफेयर

इजराइल-हमास युद्ध में 25 हजार फलस्तीनी हुए मृत

इजराइल और हमास के बीच तीन महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में 25,000 से अधिक फलस्तीनीयों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किदा के अनुसार, पिछले 24 घंटे में गाजा के अस्पतालों में कम से कम 178 शव और लगभग 300 घायल लाए गए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजराइल-हमास युद्ध में महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ित हैं। सात अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर अचानक हमला कर करीब 1200 लोगों को मार डाला था,

बच्चों को जब खर्च कब और कितना दें

बच्चों को जब खर्च (पॉकेट मनी) देना परिवारों के लिए वास्तव में एक चुनौतीपूर्ण निर्णय हो सकता है। यह सवाल उठता है कि बच्चों को जब खर्च देना कब शुरू करना चाहिए और कितना देना चाहिए। एक अहम सवाल यह भी है कि क्या बच्चों को घरेलू कामकाज करने के एवज में जब खर्च देना चाहिए। एक वित्त शोधकर्ता और अभिभावक के रूप में, जब खर्च को एक शैक्षिक अवसर के रूप में देखना भी महत्वपूर्ण है।

ट्रेड

सस्ती दवाइयों से पैसे बचे

आर्यसमान भारत योजना की वजह से 6 करोड़ से अधिक लोग अस्पताल में मुफ्त इलाज करवा चुके हैं। 10 हजार जन औषधि केन्द्र भी खोले हैं, जहां 80% इंटरकास्ट पर दवाइया मिल रही हैं। सस्ती दवाइयों से गतौब के 30,000 करोड़ रुपये बचे हैं। -मनसुख मांडविया, कैदीय मंत्री

तत्काल युद्धविराम का आह्वान

गाजा में लोग न केवल बम और गोलियों से, बल्कि भोजन, साफ पानी की कमी और बिजली और दवा के बिना भी मर रहे हैं। ये रुकना चाहिए। तत्काल युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल बिना शर्त रिहाई के आह्वान से पीछे नहीं हटूंगा। -एटोर्नीजनियो गुतेरस, यूएन महासचिव

माव्य आपके नियंत्रण में है

परमानंद नियंत्रण से बाहर जाने जैसा है लेकिन सचेत रूप से। जब आप जानते हैं कि सचेत रूप से नियंत्रण से बाहर कैसे जाना है, तो आप हर चीज पर पूरी तरह नियंत्रण में हैं। आपके जीवन का माव्य आपके नियंत्रण में है। -सदरुकर, आध्यात्मिक गुरु

